



## **Statement by the Science Academies of India on the novel corona virus Pandemic**

The COVID-19 pandemic is of an unprecedented magnitude encountered in many decades. On behalf of the scientific community of the country, the Science Academies pledge full support to the initiatives of the Government to contain the spread of the novel corona virus attack, including scientific and technical support required to develop therapeutic measures. We will also join the Government in its appeal to the citizens to not be misled by rumors and to not use therapies that are not scientifically validated. The Academies support the complete lockdown of our country, and we have initiated the process of explaining to the citizens the importance of this lockdown.

The Science Academies pledge to extend their help and support to develop less-expensive diagnostic assays than those currently used, to validate repurposing of drugs and to develop vaccines and new drugs without compromising on national standards.

If called upon, the academies will actively co-operate and strengthen the hands of the Government to successfully overcome the current novel corona virus crisis, and help establish response systems that are scientifically rigorous, technically sound, administratively competent and sociologically acceptable. This will assure that the Indian society is appropriately and adequately equipped to face similar challenges in future, which the Science Academies strive to attain.

**नॉवेल कोरोना विषाणु पर  
भारत की विज्ञान अकादमियों का  
वक्तव्य**

कोविड-19 महामारी इतनी बड़ी है जितनी कई दशाब्दियों में नहीं हुई. राष्ट्र के वैज्ञानिक समुदाय की ओर से विज्ञान अकादमियां नॉवेल कोरोना विषाणु के हमले के फैलने को रोकने के लिए सरकार की पहलों को पूर्ण समर्थन देने के लिए वचन देती हैं जिसमें चिकित्सकीय समाधानों के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रयास भी शामिल हैं. हम स्वयं को सरकार की इस अपील से भी जोड़ेंगे कि लोग अफ़वाहों से न बहकें और उन इलाजों का उपयोग न करें जो विज्ञान सम्मत नहीं हैं. अकादमियां देश में पूर्ण तालाबंदी का समर्थन करती हैं तथा हमने नागरिकों को इस तालाबंदी का महत्त्व समझाने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है.

विज्ञान अकादमियां बिना राष्ट्रीय मानकों से समझौता किए निदान की वर्तमान की तुलना में सस्ती विधियां विकसित करने में सहायता तथा समर्थन देने, दवाईयों के नए उद्देश्यों के लिए उपयोग को पुष्ट करने एवं टीकों एवं नयी दवाईयों को विकसित करने का प्रण करती हैं.

कहे जाने पर अकादमियां वर्तमान कोरोना विषाणु संकट पर विजय पाने के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से शुद्ध, तकनीकी दृष्टि से सुदृढ़, प्रशासनिक रूप से उपयुक्त तथा समाज को स्वीकार्य प्रत्युत्तर की व्यवस्था स्थापित करने के लिए सरकार के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करेंगी तथा उसके हाथ मज़बूत करेंगी. यह आश्चस्त करेगा कि भारतीय समाज इस प्रकार चुनौतियों का सामना करने के लिए समुचित तथा पर्याप्त रूप से तैयार है जिस लक्ष्य प्राप्ति के लिए अकादमियां प्रयासरत हैं.